रसिकमोहन

—— * ——

जिसमें

नायक नायकादि हावभाव लक्षण व काव्यालंकार
उपमादिरीति यथातथ्य सविस्तार वर्णित है

जिसको

श्री कविकुलाग्रगण्य श्रीरघुनाथ कविने शृंगाररस
रसिक पुरुषों के अवलोकनार्थ निर्मितकिया
वाजपेयि पण्डितरामरत्न के प्रबन्धसे
प्रथमबार

—— * ——

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छपा

जनवरी सन् १८९० ई० ॥